M.A. (Sociology) (NEP Pattern) Semester-II

MASOC2011 - Sociology of India

P. Pages : 3 | **GUG/S/25/15489**

Time : Three Hours | Max. Marks : 80

* 3 1 3 8 *

Notes : 1. All questions are compulsory.
2. All questions carry equal marks.

1. Describe the role of Indian institutions in shaping the development of sociological thought in India. **16**

OR

Discuss the contribution of feminist scholars Neera Desai.

2. Discuss the changing nature of family and kinship. **16**

OR

Explain the role of caste in shaping social stratification in India.

3. Write short answers on **any two** of the following. **16**

a) Significance of "knowledge" in the formation of sociology in India.

b) Ghurye's contribution in the Indological approach.

c) The key components of the Indian household.

d) Differences between caste and class.

4. Write short answers on **any two** of the following. **16**

a) Challenges faced by early sociologists.

b) Subaltern perspective of Ranajit Guha.

c) Rural-Urban Continuum.

d) Challenges faced by tribal communities.

5. Write short answers on **any two** of the following. **16**

a) Concept of Institutions.

b) Structural-Functional Perspective.

c) Concep of Kinship.

d) Concept of Gender.

****

M.A. (Sociology) (NEP Pattern) Semester-II

MASOC2011 - Sociology of India

Time : Three Hours | Max. Marks : 80

सुचना :- 1. सर्व प्रश्न सोडविणे आवश्यक आहेत.
2. सर्व प्रश्नांना समान गुण आहेत.

1. भारतातील समाजशास्त्रीय विचारांच्या विकासासाठी भारतीय संस्थांच्या भूमिकेचे वर्णन करा. **16**

किंवा

स्त्रीवादी अभ्यासक नीरा देसाई यांच्या योगदानाची चर्चा करा.

2. कुटुंब आणि नातेसंबंधाच्या बदलत्या स्वरूपाची चर्चा करा. **16**

किंवा

भारतातील सामाजिक स्तरीकरण घडवण्यात जातीची भूमिका स्पष्ट करा.

3. खालीलपैकी **कोणत्याही दोनवर** छोटी उत्तरे लिहा. **16**

अ) भारतातील समाजशास्त्राच्या निर्मितीमध्ये "ज्ञाना" चे महत्व.

ब) घुर्ये यांचे भारताविद्या दृष्टिकोनातील योगदान.

क) भारतीय घरातील प्रमुख घटक.

ड) जात आणि वर्गातील फरक

4. खालीलपैकी **कोणत्याही दोनवर** छोटी उत्तरे लिहा. **16**

अ) सुरूवातीच्या समाजशास्त्रज्ञांसमोरील आव्हाने.

ब) रणजित गुहा यांचा वंचित समूहाचा दृष्टीकोन.

क) ग्रामीण-शहरी सातत्य.

ड) आदिवासी समाजासमोरील आव्हाने.

5. खालीलपैकी **कोणत्याही दोनवर** छोटी उत्तरे लिहा. **16**

अ) संस्थांची संकल्पना.

ब) संरचनात्मक प्रकार्यवादी दृष्टीकोन.

क) नातेसंबंधाची संकल्पना.

ड) लिंगभाव संकल्पना.

****

M.A. (Sociology) (NEP Pattern) Semester-II

MASOC2011 - Sociology of India

Time : Three Hours | Max. Marks : 80

सुचनाएँ :- 1. सभी प्रश्न अनिवार्य है।
2. सभी प्रश्नों के अंक समान है।

1. भारत में समाजशास्त्रीय चिंतन के विकास में भारतीय संस्थानों की भूमिका का वर्णन कीजिये। **16**

अथवा

नारीवादी विद्वान नीरा देसाई के योगदान पर चर्चा कीजिये।

2. परिवार और रिश्तों के बदलते स्वरूप पर चर्चा कीजिये। **16**

अथवा

भारत में सामाजिक स्तरीकरण के निर्माण में जाति की भूमिका को स्पष्ट कीजिये।

3. निम्नलिखित में से **किन्हीं दो** पर संक्षिप्त उत्तर लिखिए। **16**

अ) भारत में समाजशास्त्र के निर्माण में "ज्ञान" का महत्व।

ब) घुर्ये का भारतविद्या दृष्टिकोण में योगदान।

क) भारतीय घराने में एक प्रमुख चीज़।

ड) जाति और वर्ग भेद।

4. निम्नलिखित में से **किन्हीं दो** पर संक्षिप्त उत्तर लिखिए। **16**

अ) प्रारंभिक समाजशास्त्रियों के सामने चुनौतियाँ।

ब) रणजीत गुहा का वंचित वर्गो का दृष्टिकोण।

क) ग्रामीण-नगरीय सातत्य।

ड) जनजातीय समाज के समक्ष चुनौतियाँ।

5. निम्नलिखित में से **किन्हीं दो** पर संक्षिप्त उत्तर लिखिए। **16**

अ) संस्थानों की अवधारणा।

ब) एक संरचनात्मक-कार्यात्मक दृष्टिकोण।

क) रिश्तेदारी की अवधारणा।

ड) लिंगभाव की अवधारणा।

****